# O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

## Half Yearly Examination (2026 – 2027)

**Class / Section: XI** **MM: 50**

**Subject: Hindi Core(Code 302)** **Time: 2:00 Hrs**

Name: _____ Roll No.:_____

***(Fifteen Minutes Extra will be given for reading the Question Paper.)***

सामान्य निर्देश:

1 इस प्रश्न–पत्र में तीन खण्ड है–खण्ड'क' , खण्ड'ख' और खण्ड'ग'।

2 खण्ड'क' में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे जाएँगे। सभी प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

3- खण्ड'ख' में अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्य–पुस्तक के आधार पर प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे।

4 खण्ड'ग' में आरोह भाग–1 और वितान भाग–1 पाठ्य–पुस्तक के आधार पर प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे।

5 यथासंभव तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

---

### खण्ड 'क' (अपठित बोध)

**प्र01 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –** (6)

तत्त्ववेत्ता शिक्षाविदों के अनुसार विद्या दो प्रकार की होती है। प्रथम वह, जो हमें जीवनयापन के लिए अर्जन करना सिखाती है और द्वितीय वह, जो हमें जीना सिखलाती है। इनमें से एक का भी अभाव जीवन को निरर्थक बना देता है। बिना कमाए जीवन-निर्वाह संभव नहीं। कोई भी नहीं चाहेगा कि वह माता-पिता, परिवार के किसी सदस्य, जाति या समाज पर परावलंबी हो।

ऐसी विद्या से विहीन व्यक्ति का जीवन दूभर हो जाता है, वह दूसरों के लिए भार बन जाता है। साथ ही, दूसरी विद्या के बिना सार्थक जीवन नहीं जिया जा सकता। बहुत अर्जित कर लेने वाले व्यक्ति का जीवन यदि सुचारु रूप से नहीं चल रहा है, उसमें यदि वह जीवंत शक्ति नहीं है, जो उसके अपने जीवन को तो सत्पथ पर अग्रसर करती ही है, साथ ही वह अपने समाज, जाति एवं राष्ट्र के लिए भी मार्गदर्शन करती है, तो उसका जीवन भी मानव-जीवन का अभिधान नहीं पा सकता। वह भारवाही गर्दभ बन जाता है या पूँछ-सींग-विहीन पशु कहा जाता है।

वर्तमान भारत में पहली विद्या का प्रायः अभाव दिखाई देता है तथा दूसरी विद्या का रूप भी विकृत ही है, क्योंकि न तो स्कूल-कॉलेजों से शिक्षा प्राप्त करके निकला छात्र जीविकार्जन के योग्य बन पाता है और न ही वह उन संस्कारों से युक्त हो पाता है, जिनसे व्यक्ति 'कु' से 'सु' बनता है, सुशिक्षित, सुसभ्य और सुसंस्कृत कहलाने का अधिकारी होता है। वर्तमान शिक्षा-पद्धति के अंतर्गत हम जो विद्या प्राप्त कर रहे हैं, उसकी विशेषताओं को सर्वथा नकारा भी नहीं जा सकता।

यह शिक्षा कुछ सीमा तक हमारे दृष्टिकोण को विकसित भी करती है, हमारी मनीषा को प्रबुद्ध बनाती है तथा भावनाओं को चेतन करती है, किंतु कला, शिल्प, प्रौद्योगिकी आदि की शिक्षा नाममात्र की होने के फलस्वरूप इस देश के स्नातक के लिए जीविकार्जन टेढ़ी खीर बन जाता है और बृहस्पति विद्वान के समान युवक नौकरी की तलाश में अर्जियाँ लिखने में ही अपने जीवन का बहुमूल्य समय बर्बाद कर लेता है।

जीवन के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए यदि शिक्षा के क्रमिक सोपानों पर विचार किया जाए, तो भारतीय विद्यार्थी को सर्वप्रथम इस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए जो आवश्यक हो, दूसरी जो उपयोगी हो और तीसरी जो हमारे जीवन को परिष्कृत एवं अलंकृत करती हो। ये तीनों सीढ़ियाँ एक के बाद एक आती हैं, इनमें व्यतिक्रम नहीं होना चाहिए।

इस क्रम में व्याघात आ जाने से मानव जीवन का चारु प्रासाद खड़ा करना असंभव है। यह तो भवन की छत बनाकर नींव बनाने के सदृश है। वर्तमान भारत में शिक्षा की अवस्था देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि प्राचीन भारतीय दार्शनिकों ने 'अन्न' से 'आनंद' की ओर बढ़ने को जो 'विद्या का सार' कहा था, वह सर्वथा समीचीन ही था।

बहुविकल्पीय प्रश्न

**(i)** गद्यांश के अनुसार जीवनयापन के लिए अर्जन करना कौन सिखाता है ? (1)

(क) परिवार (ख) प्रथम प्रकार की विद्या

(ग) द्वितीय प्रकार की विद्या (घ) समाज

**(ii)** निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और बताइए कि इनमें से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं ? (1)

1. द्वितीय प्रकार की विद्या के अभाव में भी कमाऊ व्यक्ति का जीवन सार्थक हो सकता है।
2. जीविकोपार्जन के योग्य न बन पाना और संस्कारों से युक्त न होना वर्तमान शिक्षा-पद्धति की प्रमुख कमियाँ हैं।
3. भारतीय दार्शनिकों ने 'अन्न' से 'आनंद' की ओर बढ़ने को विद्या का सार कहा था।

कूट

(क) 2 और 3 (ख) केवल 3

(ग) 1 और. 2 (घ) केवल 2

**(iii)** प्रस्तुत गद्यांश किस विषय-वस्तु पर आधारित है ? (1)

(क) जीने की कला पर (ख) वर्तमान भारतीय शिक्षा पर

(ग) मानव जीवन की सार्थकता पर (घ) शिक्षा के सोपान पर

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

**(iv)** देश के स्नातक के लिए टेढ़ी खीर क्या बन जाता है ? (1)

लघूत्तरात्मक प्रश्न

**(v)** भारतीय विद्यार्थी को कैसी शिक्षा दी जानी चाहिए ? (2)

**प्र02 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ——** (5)

इन नए बसते इलाकों में
जहाँ रोज़ बन रहे हैं नए-नए मकान
मैं अक्सर रास्ता भूल जाता हूँ
धोखा दे जाते हैं पुराने निशान
खोजता हूँ ताकता पीपल का पेड़
खोजता हूँ ढहा हुआ घर
मुड़ना था मुझे
फिर दो मकान बाद बिना रंग वाले लोहे के फाटक
का घर था इकमंज़िला
और मैं हर बार एक घर पीछे
चल देता हूँ
या दो घर आगे ठकमकाता
यहाँ रोज़ कुछ बन रहा है

रोज़ कुछ घट रहा है
यहाँ स्मृति का भरोसा नहीं
एक ही दिन में पुरानी पड़ जाती है दुनिया
जैसे बसंत का गया पतझड़ को लौटा हूँ
अब यही है उपाय कि हर दरवाज़ा खटखटाओ
और पूछो-क्या यही है वो घर ?
समय बहुत कम है तुम्हारे पास
आ चला पानी ढहा आ रहा अकास
शायद पुकार ले कोई पहचाना ऊपर से देखकर।
रोज़ कुछ घट रहा है

बहुविकल्पीय प्रश्न

(i) कवि अपने घर के लिए कहाँ से मुड़ता है ? (1)

(क) पीपल के पेड़ के पास से (ख) धराशायी हुए मकान से
(ग) लोहे के फाटक के पास से (घ) ज़मीन के खाली टुकड़े के पास से

(II) 'रोज़ कुछ घट रहा है' पंक्ति का निहितार्थ क्या है ? (1)

(क) कवि अपने घर नहीं पहुँच पाता है। (ख) कवि की याददाश्त कमज़ोर पड़ती जा रही है।
(ग) कवि के घर के आस-पास नित नए मकान बनते जा रहे हैं। (घ) एक ही दिन में दुनिया छोटी पड़ जाती है।

(III) दिए गए कथनों में से सही कथन का चयन कीजिए। (1)

1. कवि के अनुसार, स्मृति कुछ महीनों में पुरानी पड़ जाती है।
2. कवि को बरगद का पेड़ व पुराने निशान धोखा दे जाते हैं।
3. कवि हर बार एक घर पीछे चल देता है।

कूट

(क) केवल 1 (ख) 2 और 3
(ग) 1 और 2 (घ) केवल 3

लघुत्तरात्मक प्रश्न

(IV) कवि अक्सर अपना रास्ता क्यों भूल जाता है ? (2)

## खण्ड 'ख' (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर )

**प्र03 निम्नलिखित में से किसी एक अप्रत्याशित विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए–** (5)

क) अंतर्राष्ट्रीय जगत में भारत का बढ़ता कदम

ख) ऑनलाइन शॉपिंग : समय की माँग

ग) जब स्कूल की घंटी बोलने लगी

प्र04 'स्वच्छ भारत अभियान' को सफल बनाने की अपील करते हुए किसी राष्ट्रीय दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए। (4)

अथवा

आपके मोहल्ले में विगत एक माह से चोरी की वारदातें होती आ रही हैं। थानाध्यक्ष महोदय को कई पत्र लिखने पर भी कोई सुधार नहीं हुआ है। अतः अपने ज़िले के पुलिस अधीक्षक/आयुक्त महोदय को पत्र लिखकर तुरंत कार्यवाही करने हेतु प्रार्थना कीजिए।

**प्र05 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए–** **(2X2=4)**

क) वॉचडॉग पत्रकारिता क्या है ?

ख) डायरी लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

ग) अपने विद्यालय के सचिव की ओर से 'विश्व जल दिवस' पर प्रदर्शनी के लिए कार्यकारिणी समिति की बैठक हेतु कार्यसूची तैयार कीजिए।

**खण्ड 'ग' (पाठ्य–पुस्तक आरोह भाग–1 वितान भाग–1 के आधार पर)**

**प्र06 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए –** **(1X4=4)**

मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई
जा के सिर मोर-मुकुट, मेरो पति सोई
छांड़ि दयी कुल की कानि, कहा करिहै कोई ?
संतन ढिग बैठि-बैठि, लोक-लाज खोयी
अंसुवन जल सीचि-सीचि, प्रेम-बेलि बोयी
अब त बेलि फैलि गयी, आणंद-फल होयी
दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से विलोयी
दधि मथि घृत काढ़ि लियो, डारि दयी छोयी
भगत देखि राजी हुयी, जगत देखि रोयी
दासि मीरां लाल गिरधर ! तारो अब मोही

(i) मीरा के अनुसार, 'दूध की मथनियाँ' किसका प्रतीक है?

(क) सांसारिक मोह (ख) भक्ति का सार

(ग) आनंद के फल (घ) सामाजिक नियम

(ii) सुमेलित कीजिए

| सूची। | सूची ॥ |
|---|---|
| A. प्रेम-बेल | 1.भक्ति का सुखद परिणाम |
| B. आनंद फल | 2. आँसुओं से पल्लवित भक्ति |
| C. दूध मथना | 3. साधना और समर्पण |

कूट

| | A | B | C |
|---|---|---|---|
| (क) | 3 | 2 | 1 |
| (ग) | 2 | 1 | 3 |

| | A | B | C |
|---|---|---|---|
| (ख) | 2 | 3 | 1 |
| (घ) | 1 | 2 | 3 |

(iii) मीरा को अब किसी की परवाह क्यों नहीं है?

(क) क्योंकि उन्होंने कुल की मान-मर्यादा को त्याग दिया है

(ख) क्योंकि श्रीकृष्ण की शरण में अब कोई उनका अनर्थ नहीं कर सकता

(ग) 'क' और 'ख' दोनों

(घ उपर्युक्त में से कोई नहीं

(iv) कथन (A) मीराबाई ने अपने आराध्य को जगत का उद्घारक माना।

कारण (R) ईश्वर भक्ति ही मनुष्य को संसार से मुक्त कर सकती है।

कूट

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ग) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।

(घ) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

**प्र07 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए–** **(3X1=3)**

क) पानी के रातभर गिरने और प्राण-मन के घिरने में परस्पर क्या संबंध है ? 'घर की याद' कविता के आधार पर लिखिए।

ख) कवि ने चंपा की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है ? 'चंपा काले काले अच्छर नहीं चीन्हती' पाठ के आधार पर लिखिए।

**प्र08 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए–** **(2X2=4)**

क) चंपा ने ऐसा क्यों कहा कि कलकत्ता पर बजर गिरे ? 'चंपा काले काले अच्छर नहीं चीन्हती' पाठ के आधार पर लिखिए।

ख) घर से अलग होकर आप घर को किस तरह से याद करते हैं? लिखें।

ग) पिता के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं को उकेरा गया है ? 'घर की याद' पाठ के आधार पर लिखिए।

**प्र09 निम्ललिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्पों को चुनकर लिखिए –** **(1X4=4)**

उनके पिता अनुभवी व्यक्ति थे। समझाने लगे-बेटा घर की दुर्दशा देख रहे हो। ऋण के बोझ से दबे हुए हैं। लड़कियाँ हैं, वह घास-फूस की तरह बढ़ती चली जाती हैं। मैं कगारे पर का वृक्ष हो रहा हूँ, न मालूम कब गिर पड़ूँ। अब तुम्हीं घर के मालिक-मुख्तार हो। नौकरी में ओहदे की ओर ध्यान मत देना, यह तो पीर की मज़ार है।

निगाह चढ़ावे और चादर पर रखनी चाहिए। ऐसा काम ढूँढना, जहाँ कुछ ऊपरी आय हो। मासिक वेतन तो पूर्णमासी का चाँद है, जो एक दिन दिखाई देता है और घटते-घटते लुप्त हो जाता है। ऊपरी आय बहता हुआ स्रोत है, जिससे सदैव प्यास बुझती है। वेतन मनुष्य देता है, इसी से उसमें वृद्धि नहीं होती। ऊपरी आमदनी ईश्वर देता है, इसी से उसकी बरकत होती है, तुम स्वयं विद्वान् हो, तुम्हें क्या समझाऊँ।

इस विषय में विवेक की बड़ी आवश्यकता है। मनुष्य को देखो, उसकी आवश्यकता को देखो और अवसर को देखो, उसके उपरांत जो उचित समझो, करो। गरज़वाले आदमी के साथ कठोरता करने में लाभ-ही-लाभ है, लेकिन बेगरज को दाँव पर पाना जरा कठिन है। इन बातों को निगाह में बाँध लो। यह मेरी जन्मभर की कमाई है।

(i) "लड़कियाँ हैं, वह घास-फूस की तरह बढ़ती चली जाती हैं।" कथन का आशय क्या है?

(क) लड़कियों की आयु में वृद्धि होती जा रही है (ख) लड़कियाँ कद में लंबी होती जा रही हैं

(ग) लड़कियों की शैतानियाँ बढ़ती जा रही हैं (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(ii) प्रस्तुत गद्यांश में कौन किससे बात कर रहा है?

(क) पंडित अलोपीदीन मुंशी वंशीधर से (ख) मुंशी वंशीधर से पंडित अलोपीदीन

(ग) मुंशी वंशीधर के पिता मुंशी वंशीधर से (घ) मुंशी वंशीधर अपने पिता से

(iii) 'कगारे पर का वृक्ष' से क्या तात्पर्य है?

(क) आयु अधिक हो जाना (ख) मृत्यु के नजदीक होना

(ग) 'क' और 'ख' दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं

(iv) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए। (1)

कथन (A) बेगरज आदमी से कठोरता से पेश नहीं आना चाहिए।

कारण (R) बेगरज आदमी से कठोरता करने में कोई लाभ नहीं है।

कूट

(क) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परंतु कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(ग) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।

(घ) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

**प्र010 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए–** **(3X1=3)**

क) किसी फ़िल्म की शूटिंग करते समय फ़िल्मकार को जिन समस्याओं का सामना करना पड़ता है, उन्हें सूचीबद्ध कीजिए।

ख) मियाँ नसीरुद्दीन ने स्वयं को खानदानी और श्रेष्ठ नानबाई सिद्ध करने के लिए कौन-सा किस्सा सुनाया ?

**प्र011 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए–** **(2X2=4)**

क) मियाँ नसीरुद्दीन की कौन-सी बातें आपको अच्छी लगीं ?

ख) 'पथेर पांचाली' फ़िल्म की शूटिंग का काम ढाई साल तक क्यों चला ?

ग) 'नमक का दारोगा' कहानी का कौन–सा पात्र आपको सबसे अधिक प्रभावित किया और क्यों ?

**पूरक पाठ्यपुस्तक वितान भाग 2**

**प्र012 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न के लगभग 80 शब्दों में उत्तर दीजिए–** **(4X1=4)**

क) चित्रपट संगीत की लोकप्रियता का क्या कारण है? 'भारतीय गायिकाओं में बेजोड़ लता मंगेशकर' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

ख) "चित्रपट संगीत ने लोगों के कान बिगाड़ दिए" - अकसर यह आरोप लगाया जाता रहा है। इस संदर्भ में कुमार गंधर्व की राय और अपनी राय लिखें।

——000——